

नीला लड़का

मार्टिन ओएर, चित्र: सिमोने क्लागेस

MARTIN AUER & SIMONE KLAGES

THE BLUE BOY



नीला लड़का

मार्टिन ओएर, चित्र: सिमोने क्लागेस

हिंदी: विदूषक

MARTIN AUER

THE BLUE BOY

illustrated by

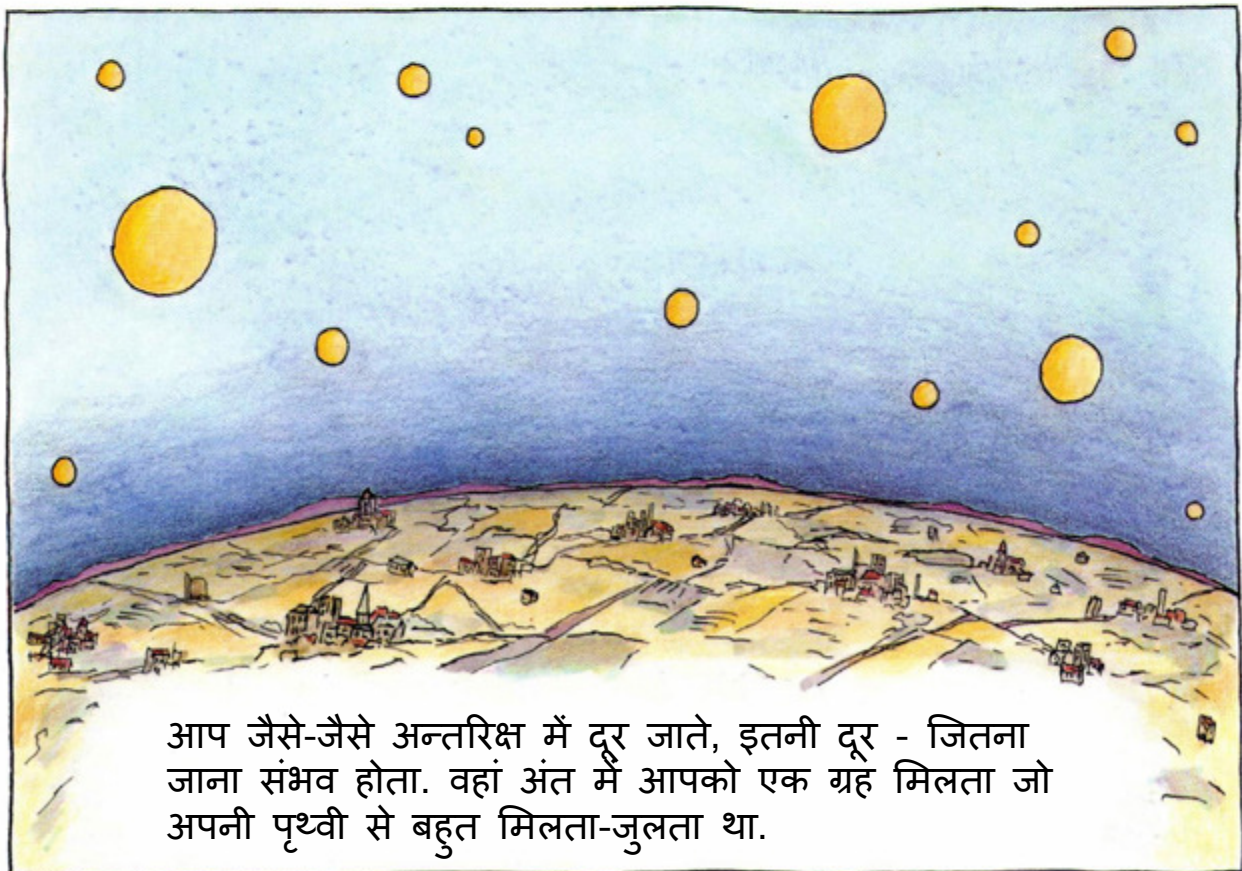
SIMONE KLAGES



बहुत दूर, तारों से भी आगे,
एक अजीब आकाशगंगा थी.



अन्तरिक्ष में बहुत गहराई पर,
घूमते ग्रहों से भी दूर जाने का
एक अजीब ही अनुभव होता.



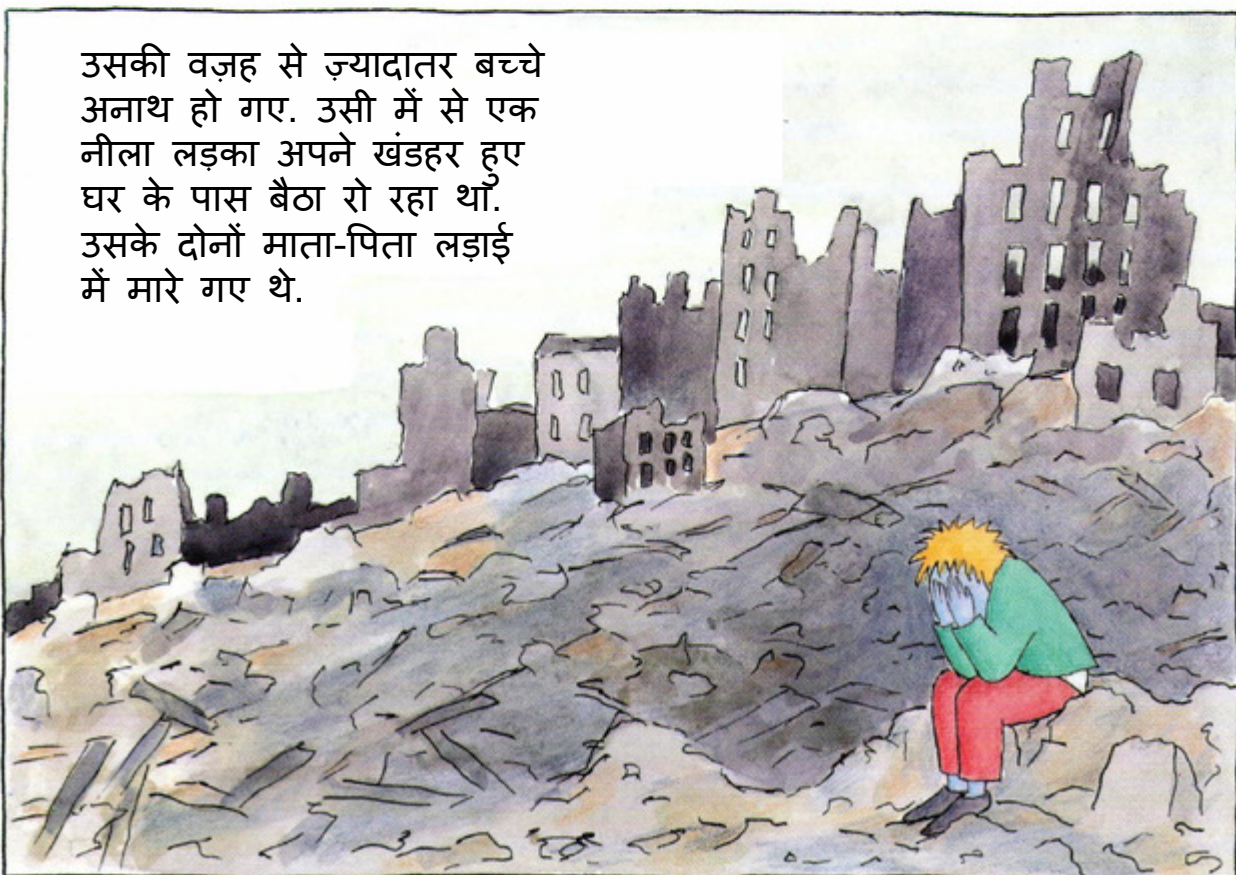
आप जैसे-जैसे अन्तरिक्ष में दूर जाते, इतनी दूर - जितना
जाना संभव होता. वहां अंत में आपको एक ग्रह मिलता जो
अपनी पृथ्वी से बहुत मिलता-जुलता था.

दूर-दराज़ का यह ग्रह, पृथ्वी के आकार का ही था. वहां के लोग भी काफी कुछ हमारे जैसे ही थे. बस एक फर्क था - वे नीले रंग के थे. जब वे किसी बात को नहीं सुनना चाहते थे, तो वे अपने कानों को बंद कर सकते थे.





इस ग्रह में एक बार ज़बरदस्त युद्ध छिड़ा.
उस लड़ाई में बहुत से नीले लोग मारे गए.

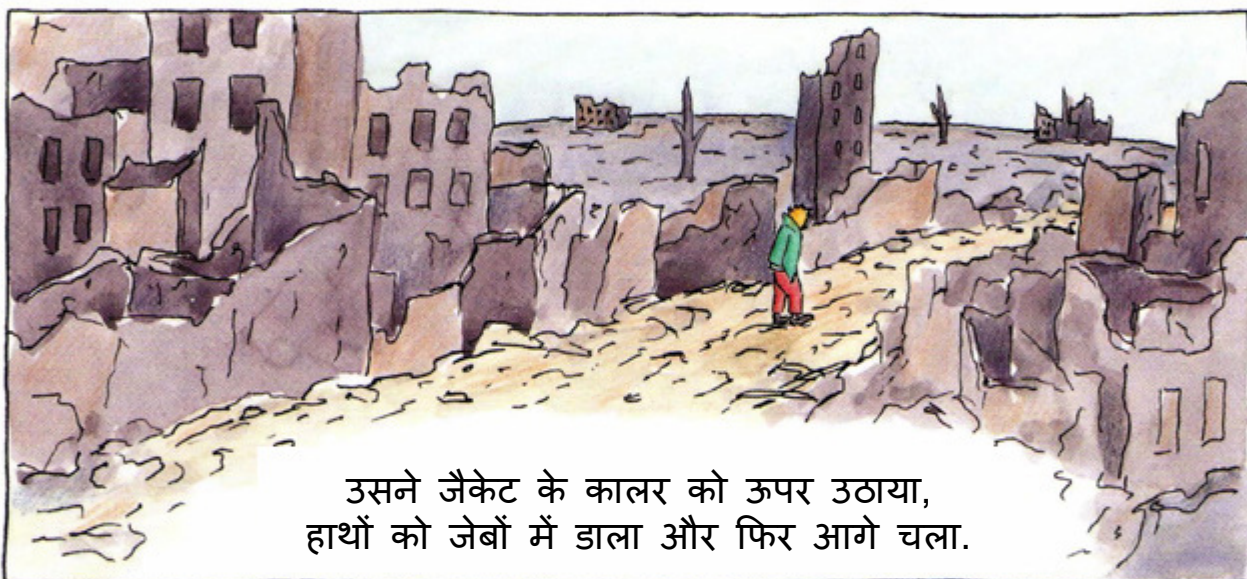


उसकी वज़ह से ज़्यादातर बच्चे
अनाथ हो गए. उसी में से एक
नीला लड़का अपने खंडहर हुए
घर के पास बैठा रो रहा था.
उसके दोनों माता-पिता लड़ाई
में मारे गए थे.

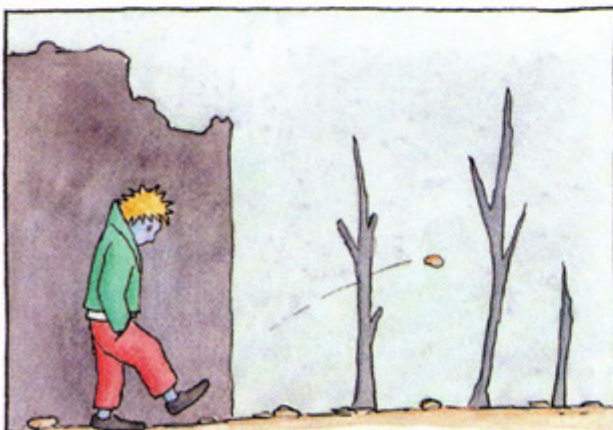
वो लड़का बस रोता ही रहा.



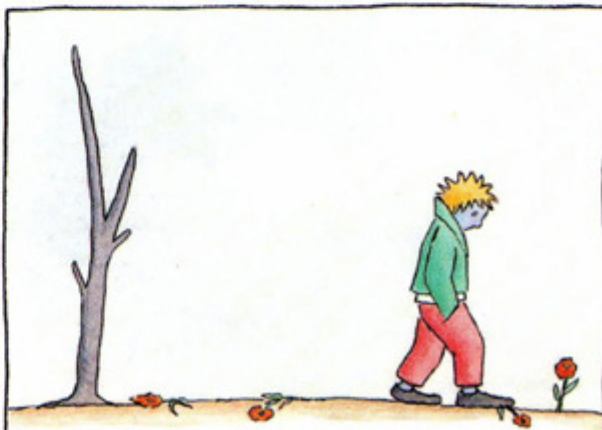
अंत जब उसके आंसू ही नहीं
बचे तब वो उठ कर खड़ा हुआ.



उसने जैकेट के कालर को ऊपर उठाया,
हाथों को जेबों में डाला और फिर आगे चला.



जब उसे कोई पत्थर दिखता,
तो वो उसे लात मारता.

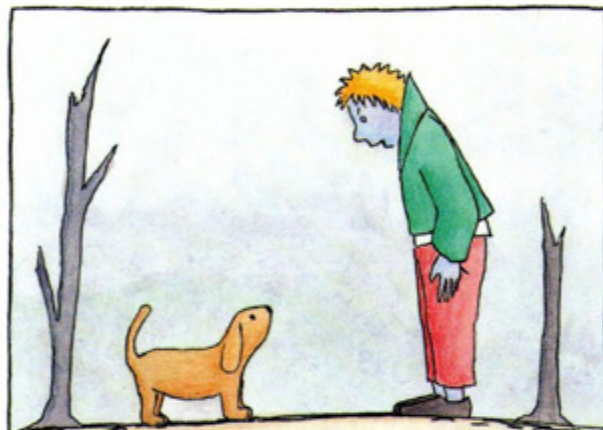


जब उसे कोई फूल दिखता
तो वो उसे पैरों से कुचलता.

तभी एक छोटा कुत्ता आया. उसने लड़के को घूरा और फिर अपनी पूँछ हिलाई.



फिर कुत्ता भी उस लड़के के पीछे-पीछे चलने लगा.



“दूर जाओ!” लड़के ने चिल्ला कर कहा.



“अगर तुम मेरे साथ आओगे, तो मुझे तुम्हारी देखभाल करनी होगी. पर अब मैं कभी भी, किसी की भी देखभाल नहीं करूंगा.”

कुत्ते ने लड़के को दुबारा देखा,
और फिर खुशी से अपनी पूँछ हिलाई.



फिर लड़के ने एक मरे फ़ौजी
के पास पड़ी, बन्दूक उठाई.



उसने बन्दूक की नोक कुत्ते की ओर की.
“मैं तुम्हें इस बन्दूक से मार सकता हूँ!”
उसने गुस्से में कहा.



फिर कुत्ता भाग गया.



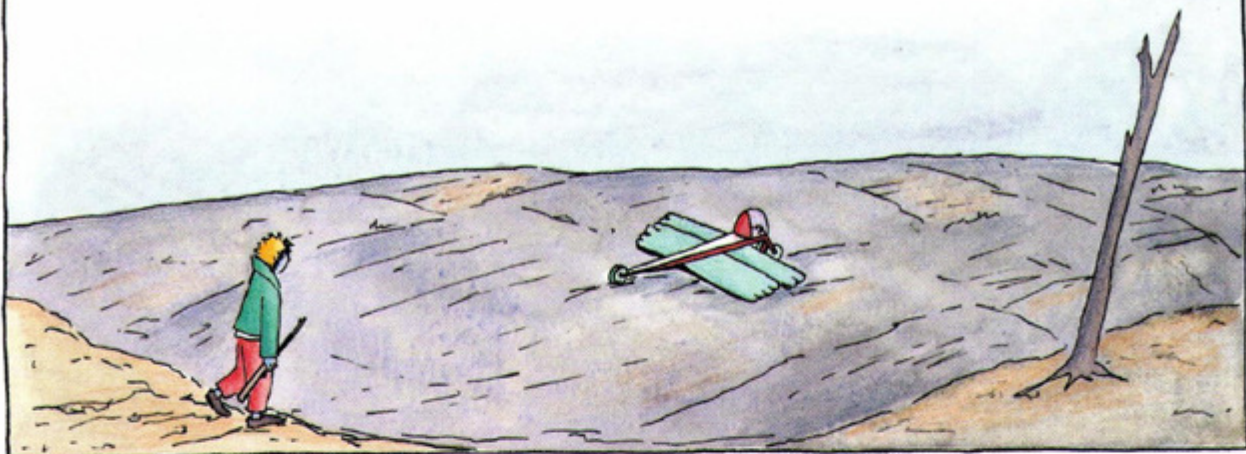
“तुम मेरे साथ रह सकते हो,”
लड़के ने बन्दूक से कहा.
“तुम वाकई मैं मेरे सच्चे दोस्त हो.”



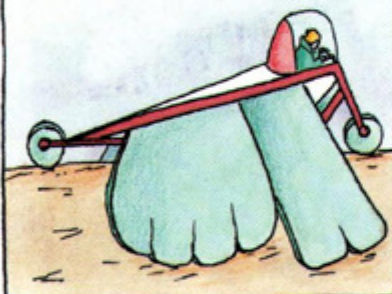
फिर बन्दूक से उसने
एक मरे हुए पेड़ पर
गोली चलाई.



कुछ देर बाद उसे एक हवाईजहाज़ पड़ा मिला.

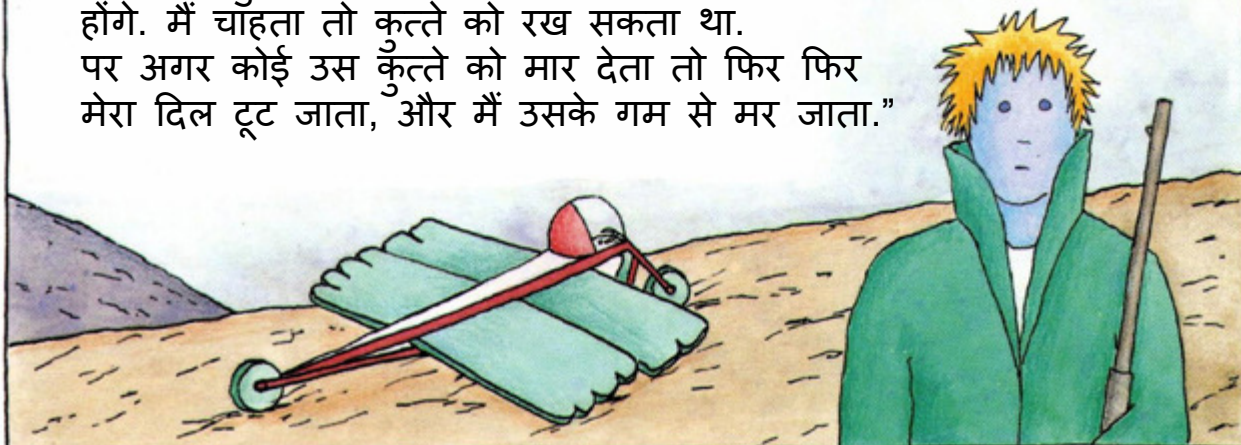


हवाईजहाज़ के
अन्दर बैठकर उसने
चाबी घुमाई.

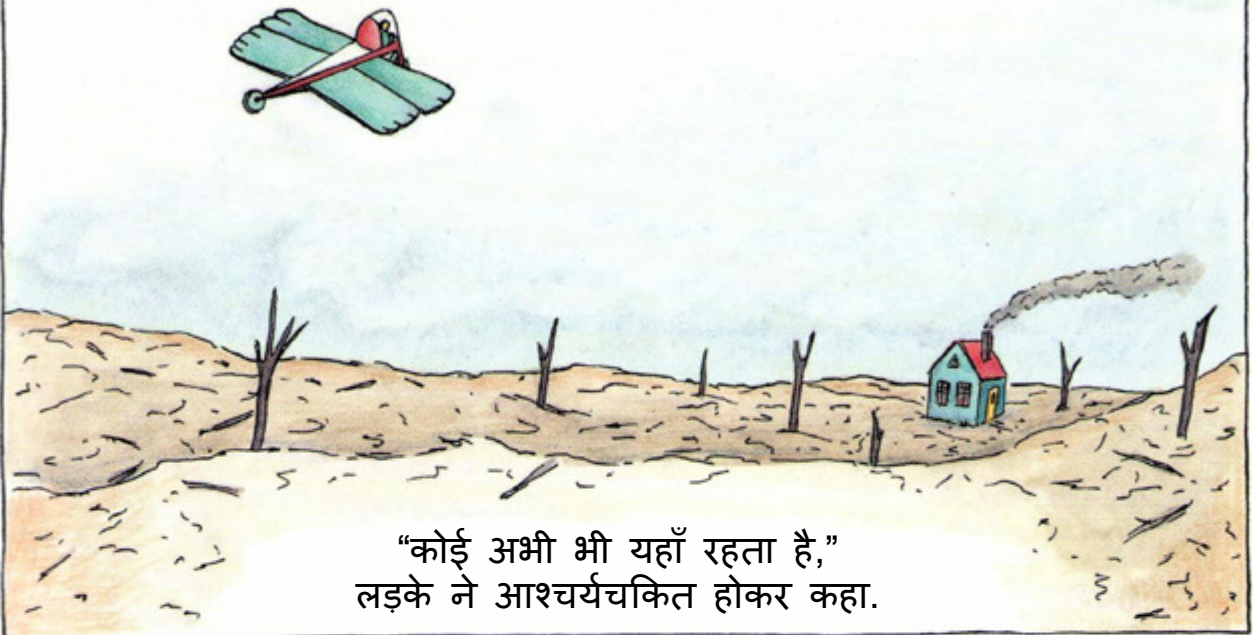


हवाईजहाज़, तुरंत हवा में उड़ने लगा.

“अब मेरे पास एक बन्दूक और एक हवाईजहाज़ है,”
लड़के ने खुद से कहा. “यह मेरे परिवार के सदस्य
होंगे. मैं चाहता तो कुत्ते को रख सकता था.
पर अगर कोई उस कुत्ते को मार देता तो फिर फिर
मेरा दिल टूट जाता, और मैं उसके गम से मर जाता.”



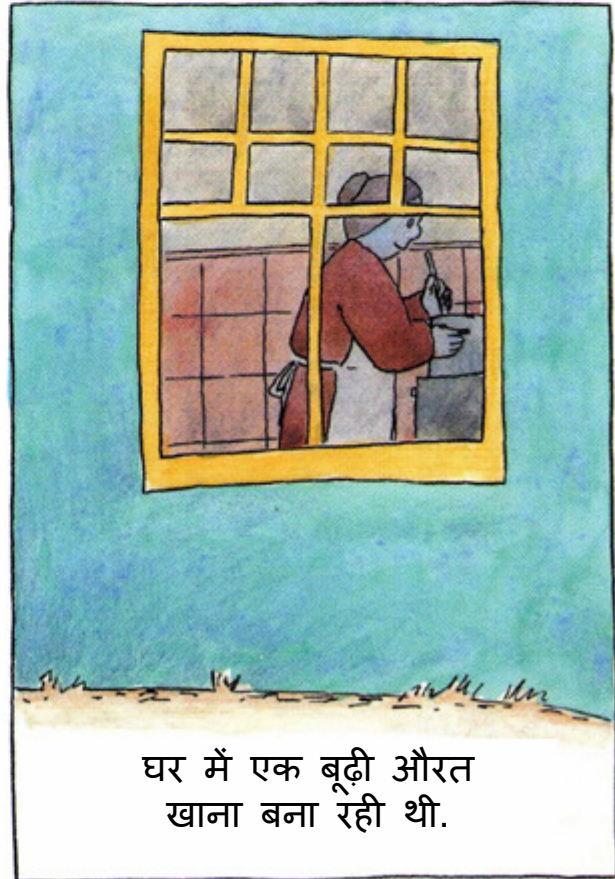
हवा में उड़ते-उड़ते उसे एक घर दिखाई दिया.



“कोई अभी भी यहाँ रहता है,”
लड़के ने आश्चर्यचकित होकर कहा.



उसने हवाईजहाज़ से घर के
कई चक्कर काटे और फिर
खिड़की में से झाँक कर देखा.

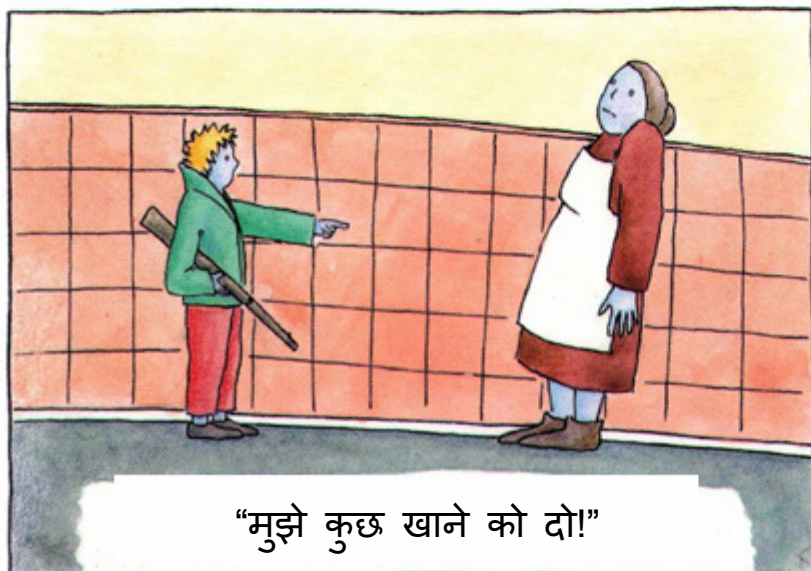


घर में एक बूढ़ी औरत
खाना बना रही थी.

लड़के ने हवाईजहाज़ उतारा, बन्दूक में गोली भरी और फिर वो घर में घुसा.



“मेरे पास बन्दूक है,”
लड़के ने बूढ़ी औरत से कहा.

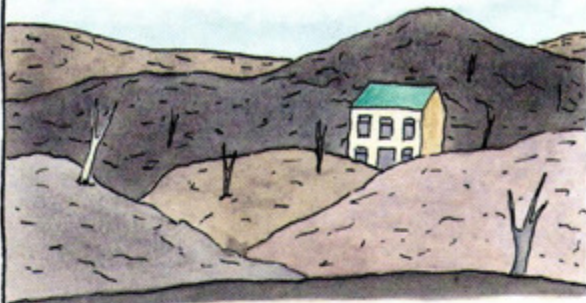


“मुझे कुछ खाने को दो!”





अब यही उस लड़के की
ज़िन्दगी बन गई.



उसने एक टूटे, खंडर घर में
रहने का अड्डा भी बना लिया.

जब उसे भूख लगती तो वो उड़
कर लोगों की बस्ती में जाता.



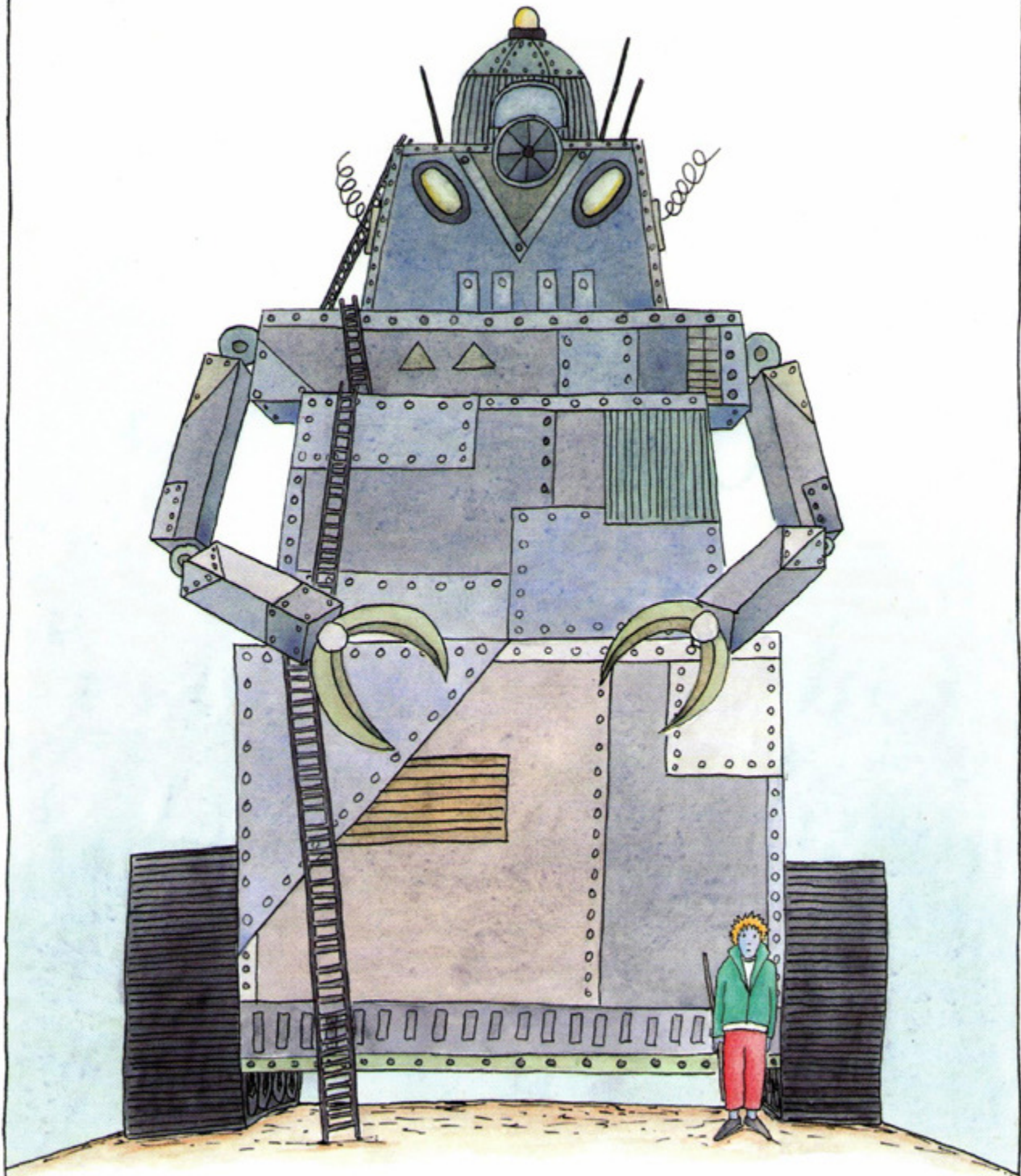
फिर बन्दूक की नोक पर उन्हें
खाना देने को मजबूर करता.

फिर वो वीरान युद्ध के मैदान पर उड़ान
भरता और वहां मलबे में पड़ी चीज़ें चुनता.



उन चीज़ों को हवाईजहाज़ में
रखकर वो अपने अड्डे पर लाता.

“इन पुर्जों से मैं अपने लिए एक रोबोट-टैंक बनाऊँगा,” लड़के ने कहा.



“वो सैकड़ों फीट ऊँचा होगा और उसका वज़न हजारों टन होगा.
सबसे ऊपर - उसके सिर पर, मैं एक कंट्रोल-रूम बनाऊँगा. तब मैं बहुत
शक्तिशाली बन जाऊँगा और फिर कोई भी मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा.”

एक दिन एक लड़की, उस लड़के
के अड़्डे के पास से गुज़री.

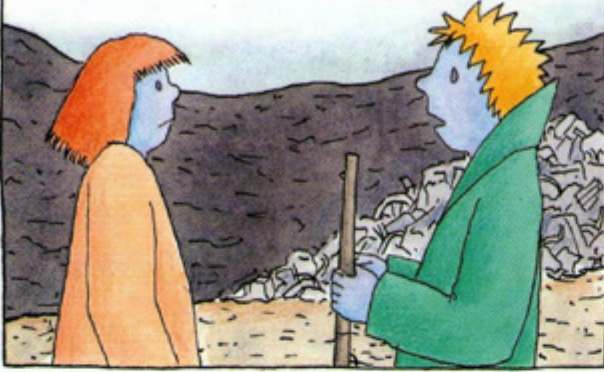


लड़के ने अपनी बन्दूक उठाई और बाहर
जाकर उसने लड़की से कहा, "यहाँ से चली
जाओ, नहीं तो मैं तुम्हें गोली मार दूंगा!"



"मैं तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाऊंगी," लड़की ने कहा. "मैं तो बस
यह देखने आई थी कि क्या कुकुरमुत्ते (मशरूम्स) दुबारा उग रहे हैं."

“तुम यहाँ से तुरंत चली जाओ!”
लड़के ने कहा. “मैं किसी को भी
अपने नज़दीक आने नहीं दे सकता.”



“क्या तुम यहाँ बिल्कुल अकेले
रहते हो?” लड़की ने पूछा.



“नहीं,” लड़के ने कहा. “मेरे पास एक बन्दूक और
एक हवाईजहाज़ भी है. वही मेरा परिवार है.”

“हाँ, एक दिन मेरे पास एक
शक्तिशाली रोबोट-टैंक भी होगा!”

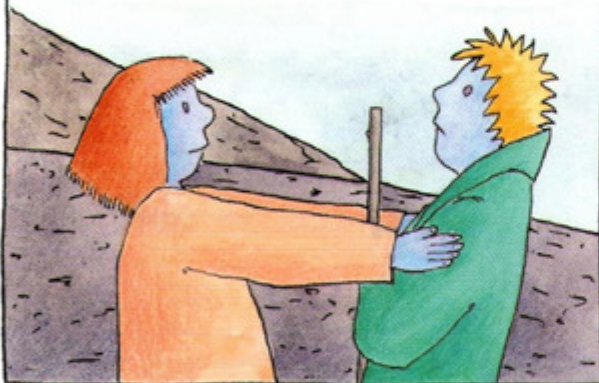


“पर क्या तुम्हारा कोई 'असली
दोस्त भी है?” लड़की ने पूछा.

“अगर मैं चाहता तो कुत्ते को अपने पास रख सकता था. पर अगर कोई उस कुत्ते को मार देता तो मैं भी उसके सदमे से मर जाता.”



“मेरी भी कोई परवाह नहीं करता है,”
लड़की ने कहा. “हम-दोनों
एक-दूसरे की देखभाल कर सकते हैं.”



“मुझे ऐसे मित्र नहीं चाहिए
जिन्हें कोई मार सके.”

“बाप रे!,” लड़की ने कहा. “भला तुम्हें ऐसा
कौन इंसान मिलेगा जो कभी मरें नहीं?”

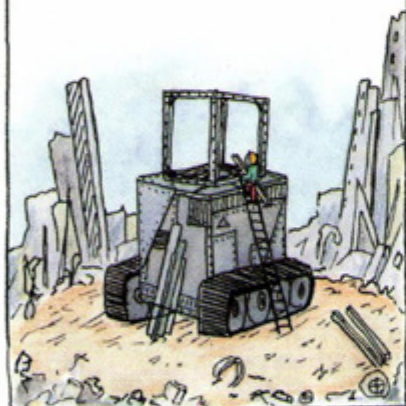


उसके बाद लड़की
अपने रास्ते चली गई.

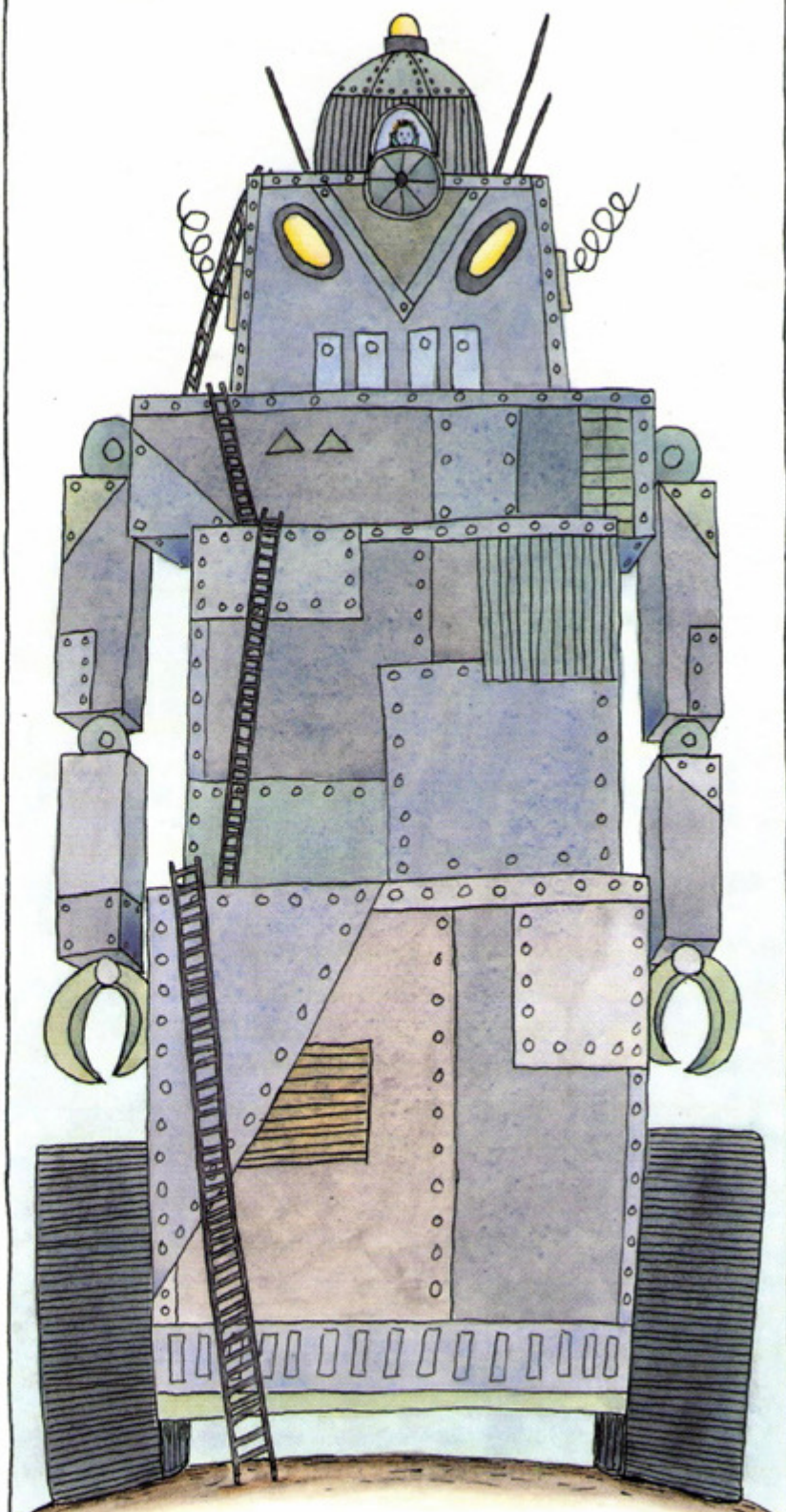
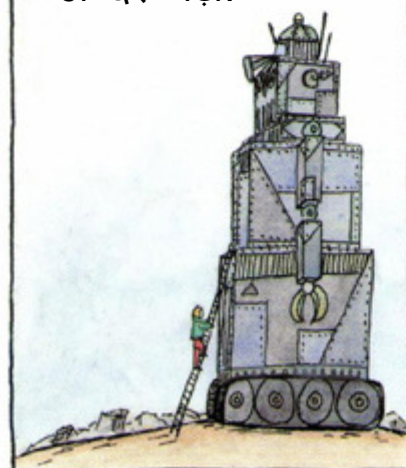
उस लड़के ने



एक शक्तिशाली
रोबोट-टैंक बनाया.

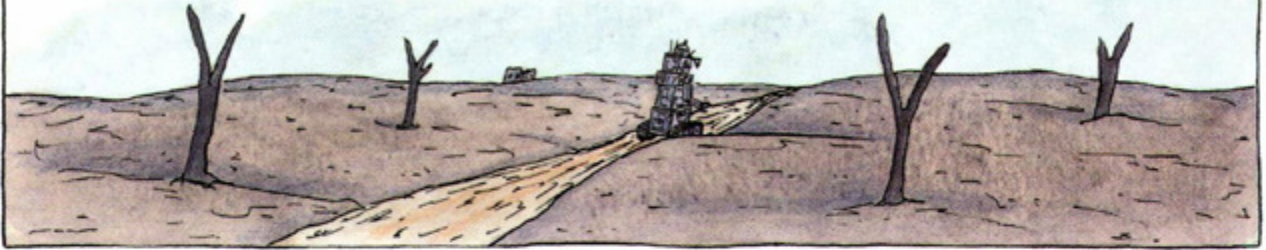


वो उसके
अन्दर चढ़ा.

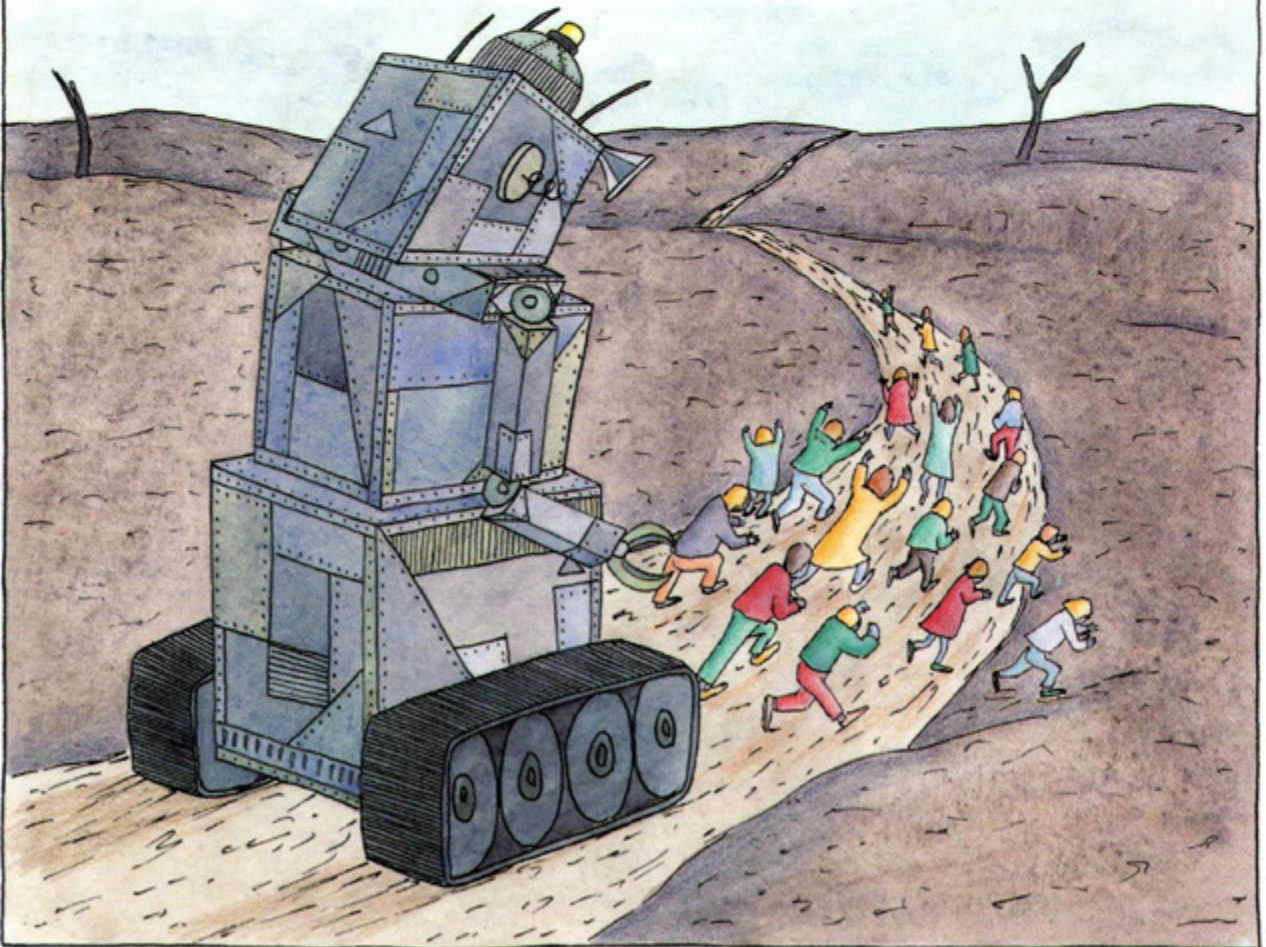


वो उसमें सबसे ऊपर जाकर बैठा - रोबोट
के सिर में. वहां पर रोबोट को नियंत्रण
करने के सभी कंट्रोलस लगे थे.

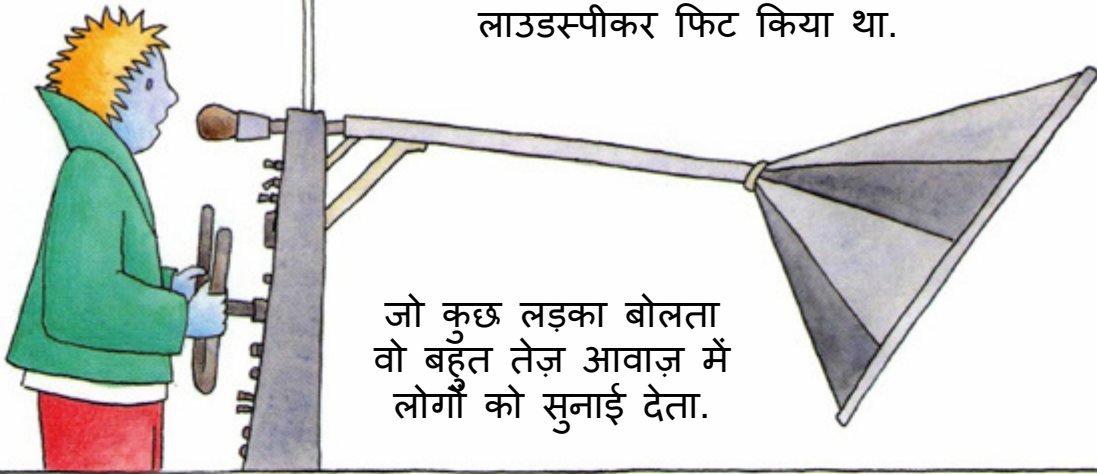
फिर वो रोबोट-टैंक में बैठकर पूरे देश का मुआईना करने निकला.



हर जगह जब लोग रोबोट-टैंक को आता देखते,
तो वो डर से इधर-उधर भागते.
पर उस रोबोट-टैंक से बच निकलना मुश्किल था.



रोबोट-टैंक के सिर में लड़के ने एक
लाउडस्पीकर फिट किया था.



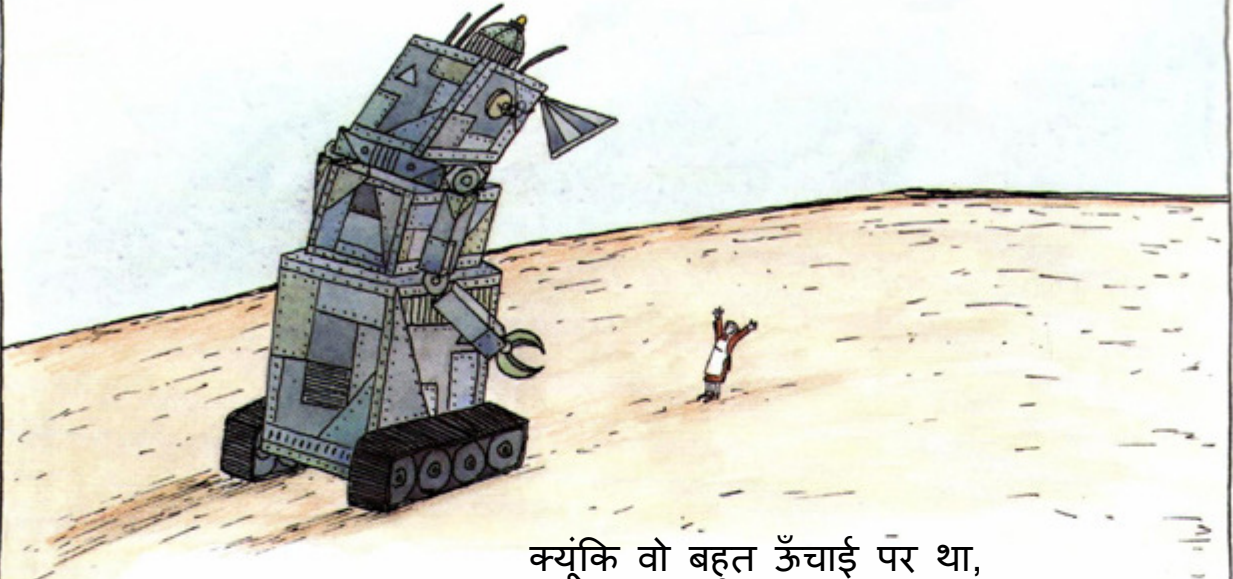
जो कुछ लड़का बोलता
वो बहुत तेज़ आवाज़ में
लोगों को सुनाई देता.

"क्या आप लोग बम्ब और बन्दूक की गोलियों
से सुरक्षित हैं?" रोबोट-टैंक चीखा.



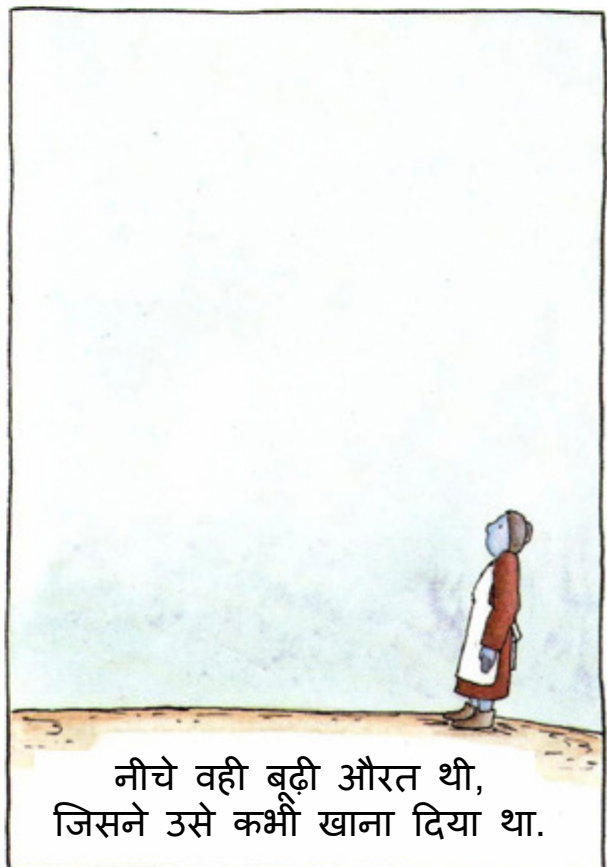
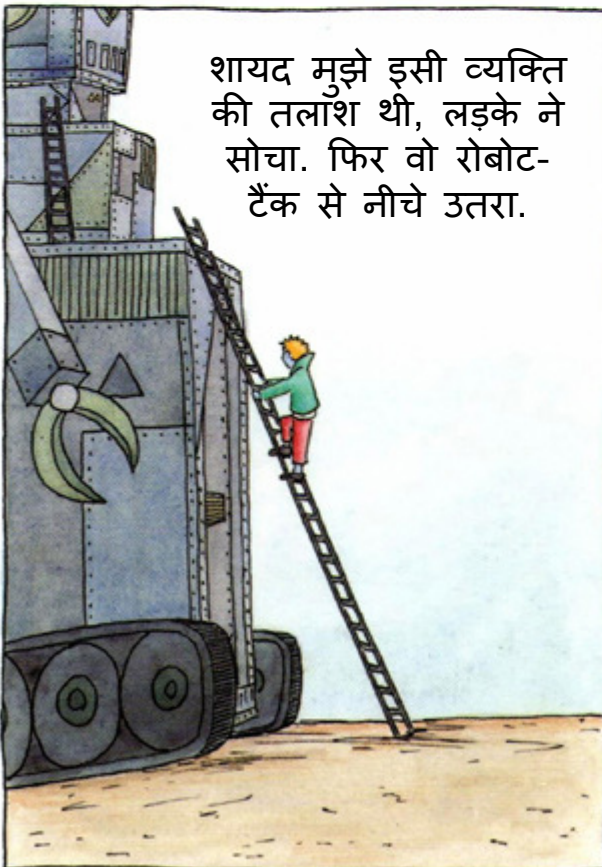
पर वो जहाँ भी गया, उसे देख कर लोग भागे.
उसे ऐसा कोई भी इंसान नहीं मिला जो मारा न जा सके.

फिर एक दिन उसे कोई नीचे खड़ा दिखाई दिया, जो जोर से उसपर चीख रहा था.



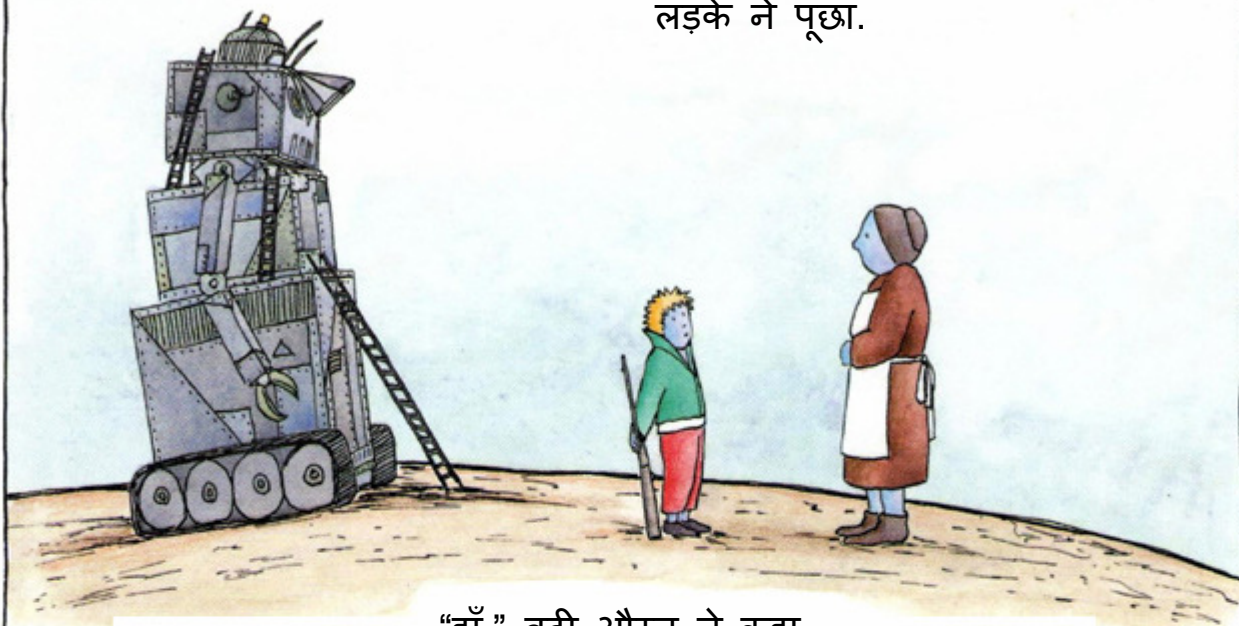
क्योंकि वो बहुत ऊँचाई पर था,
इसलिए उसे कुछ सुनाई नहीं दिया.

शायद मुझे इसी व्यक्ति
की तलाश थी, लड़के ने
सोचा. फिर वो रोबोट-
टैंक से नीचे उतरा.



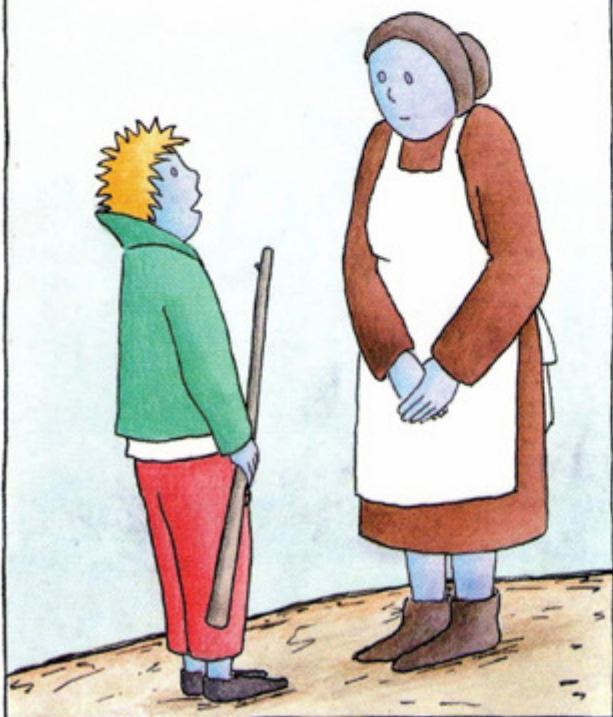
नीचे वही बूढ़ी औरत थी,
जिसने उसे कभी खाना दिया था.

“क्या तुम मुझसे कुछ कहना चाहती हो?”
लड़के ने पूछा.

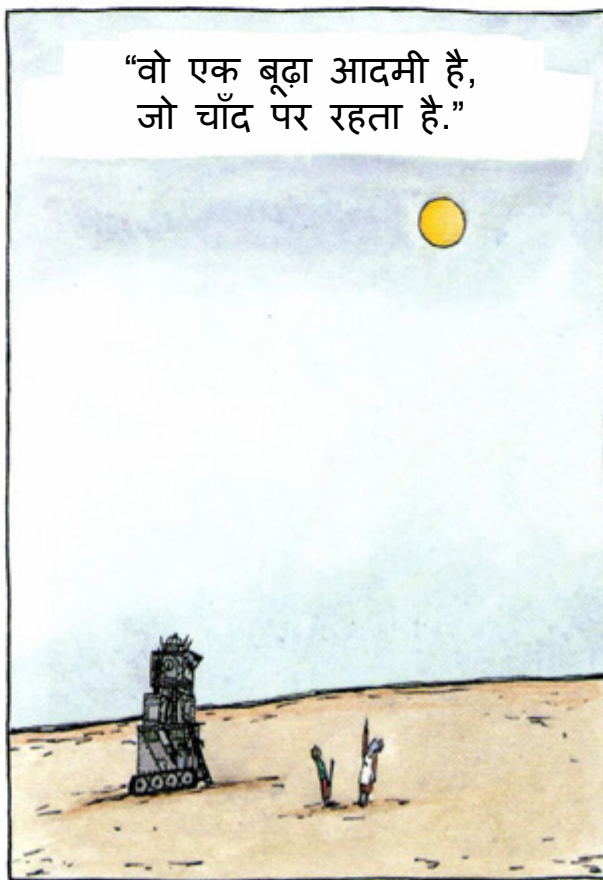


“हाँ,” बूढ़ी औरत ने कहा.
“मुझे एक आदमी के बारे में पता है जिसे कोई हथियार मार नहीं
सकता है. इसलिए मैंने सोचा कि मैं तुम्हें उसके बारे में बतायूँ.”

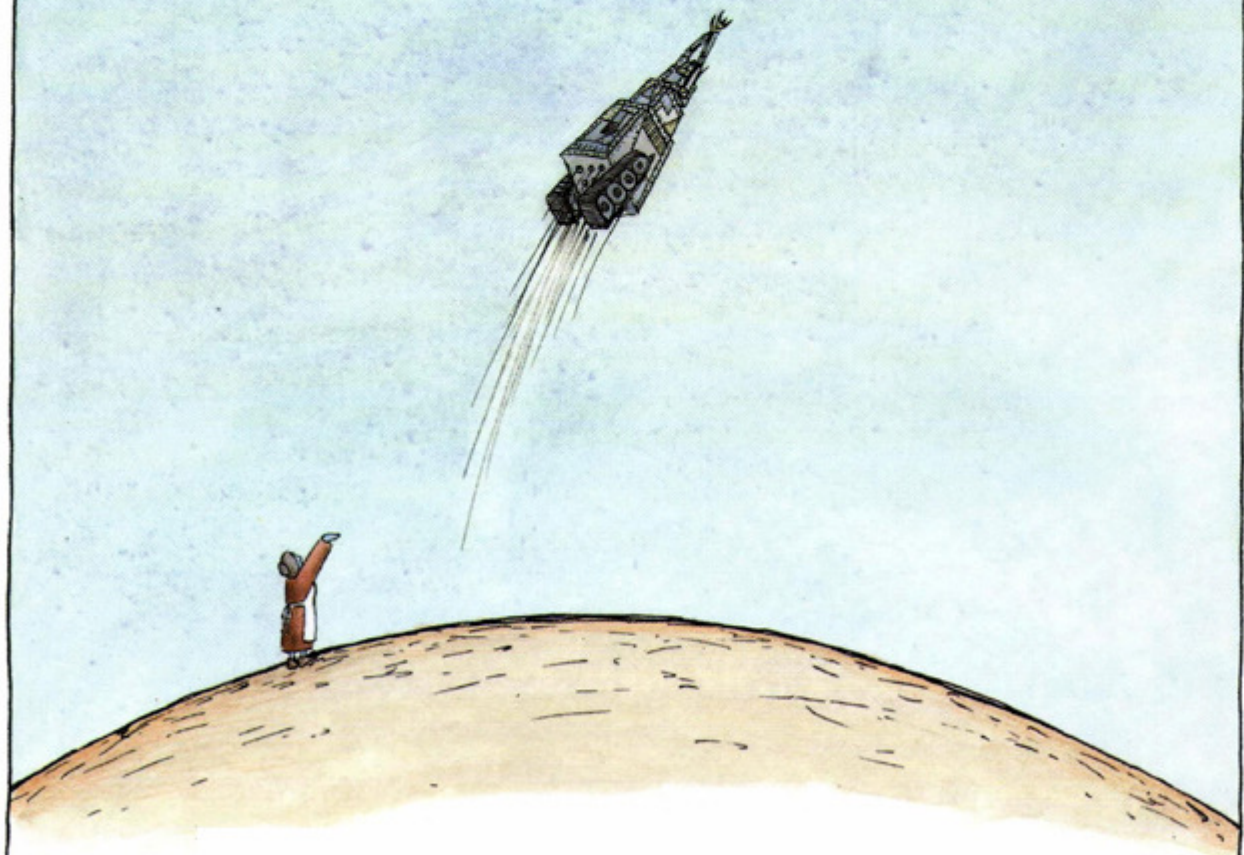
“वो कौन है?” लड़के ने पूछा.



“वो एक बूढ़ा आदमी है,
जो चाँद पर रहता है.”



“फिर मैं उसे ज़रूर खोज निकालूँगा,” लड़के ने कहा.
“शायद वो मेरा दोस्त बनना चाहे.”



फिर लड़के ने एक लीवर खींचा, जिससे उसका टैंक
एक राकेट में बदल गया और उसे चाँद तक ले गया.

चन्द्रमा पर लड़के ने इधर-उधर बहुत खोजा.



अंत में उसे एक बूढ़ा आदमी दिखाई दिया. वो दूरबीन से नीचे के नीले ग्रह को टकटकी लगाए देख रहा था.

“क्या आप वही हैं जिसे कोई मार नहीं सकता है?”
लड़के ने पूछा.
“हाँ, ठीक है,” बूढ़े आदमी ने कहा.



“आप इस दूरबीन में से क्या देख रहे हैं?”
“मैं नीचे ग्रह के लोगों का अध्ययन कर रहा हूँ.”



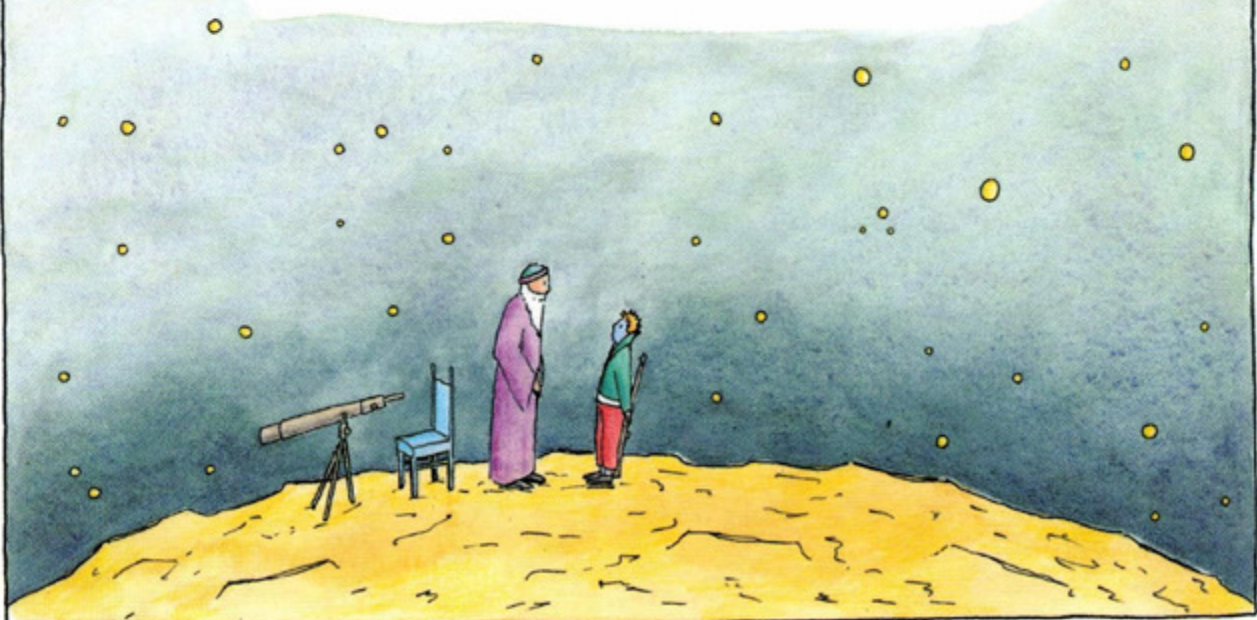
“क्या मैं यहाँ आपके साथ रह सकता हूँ?” लड़के ने पूछा.

“हाँ, ज़रूर,” बूढ़े आदमी ने कहा.

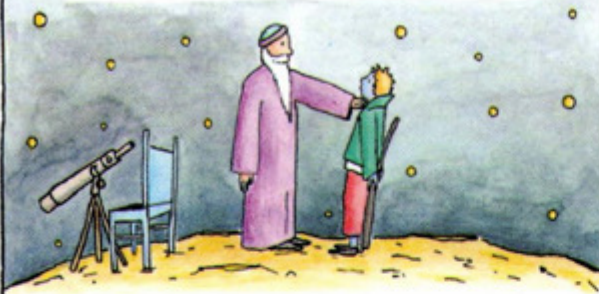
“पर तुम यहाँ मेरे साथ क्यों रहना चाहते हो?”



“क्योंकि मैं ऐसे आदमी के साथ रहना चाहता हूँ जिसे बम्ब और गोलियाँ कोई नुकसान न पहुंचा सकें. जब मेरे माता-पिता मरे तो मैं इतना रोया, कि बाद में आंसू निकलना ही बंद हो गए. मैं चाहता तो कुत्ते को अपने पास रख सकता था. पर अगर कोई उस कुत्ते को मार देता तो उस सदमे से मैं खुद मर जाता. मैं उस बूढ़ी औरत या लड़की के पास भी रह सकता था. पर उनके पास कोई सुरक्षा का इंतजाम नहीं था. अगर उन्हें कुछ हो जाता तो मैं उसके गम से खुद मर जाता.”



“बहुत अच्छा,” बूढ़े आदमी ने कहा.
“तुम मेरे साथ रह सकते हो.”



“मैं यहाँ इसलिए सुरक्षित हूँ क्योंकि
यहाँ कोई हथियार नहीं है.”



“क्या यही कारण है?”
“हाँ, यही कारण है.”



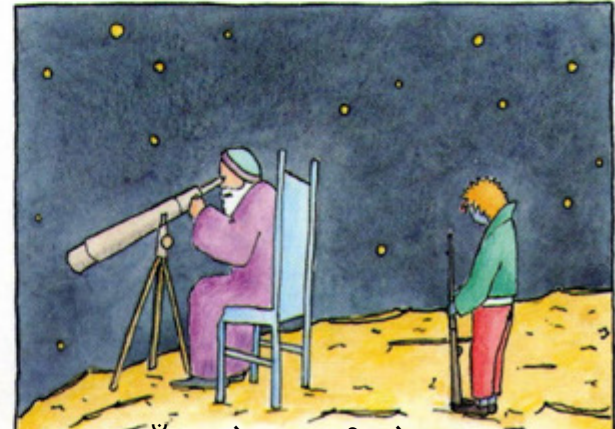
“पर मैं तो अपने साथ
बन्दूक लाया हूँ.”



“यह तो बड़े अफ़सोस की बात है!” बूढ़े आदमी
ने कहा. “फिर मैं तुम्हें यहाँ रहने की इज़ाज़त
नहीं दे सकता. क्योंकि तुम चाहो तो मुझे बन्दूक
से मार सकते हो.”



“तो क्या मुझे यहाँ से जाना
होगा?” लड़के ने पूछा.

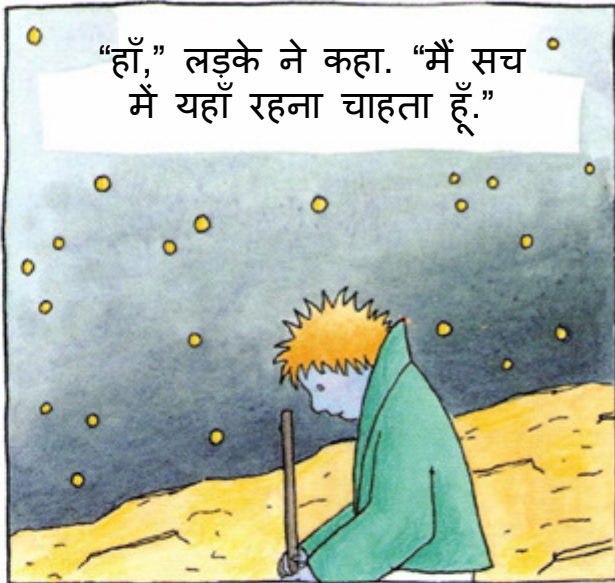


“हाँ,” बूढ़े आदमी ने कहा.
“यह शर्म की बात होगी!”
लड़के ने कहा.

“क्या तुम दुखी हो?”
बूढ़े आदमी ने पूछा.



“हाँ,” लड़के ने कहा. “मैं सच
में यहाँ रहना चाहता हूँ.”



“क्या तुम अपनी बन्दूक फेंक नहीं सकते?”



“शायद, हाँ.”



“उसके बाद तुम यहाँ आराम से रह सकते हो,”
बूढ़े आदमी ने कहा.

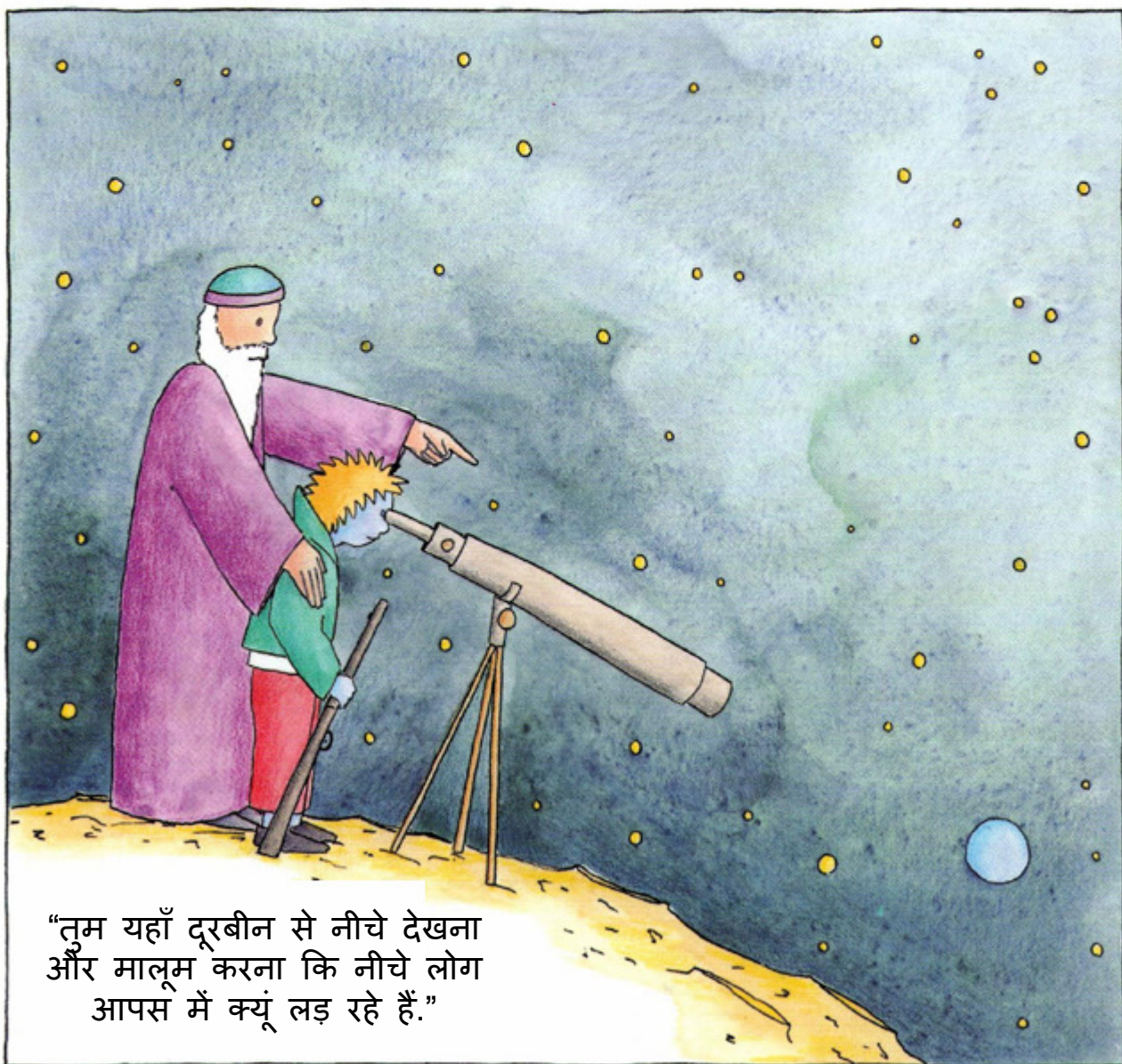


“यही ठीक रहेगा,”
लड़के ने कहा.





“पर मैं यहाँ पर करूँगा क्या?”



“तुम यहाँ दूरबीन से नीचे देखना
और मालूम करना कि नीचे लोग
आपस में क्यों लड़ रहे हैं.”



“लोग क्यूं युद्ध लड़ते हैं?”

“क्यूंकि वे एक-दूसरे के बारे में कुछ नहीं जानते.

क्यूंकि लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है. वो कितना नुकसान पहुँचा रहे हैं वो यह भी नहीं जानते.

क्यूंकि कुछ लोग भूखे सोते हैं, जबकी दूसरों को भरपूर खाना मिलता है.

उनको नहीं पता कि जो लोहा वो गलाते हैं उससे फावड़े बनेंगे या बंदूकें.

अपनी ही ज़िन्दगी में बहुत व्यस्त होने के कारण वो किसी और की परवाह नहीं करते.

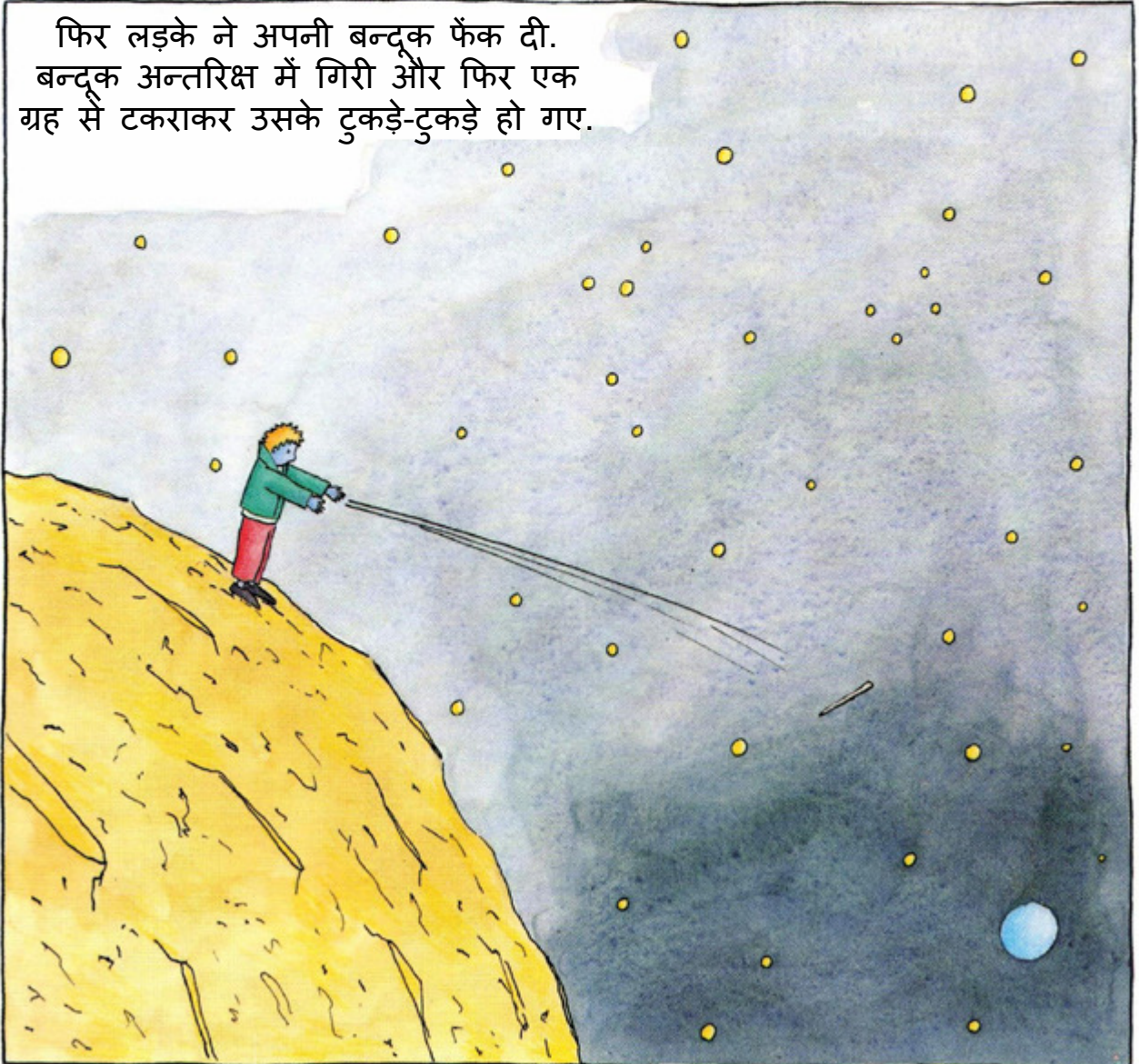
अगर वो अपने कुकर्मों को देखते, तो शायद वो सच्चाई को समझ पाते.”

“पर किसी को तो उन्हें असलियत दिखानी चाहिए!” लड़के ने कहा.

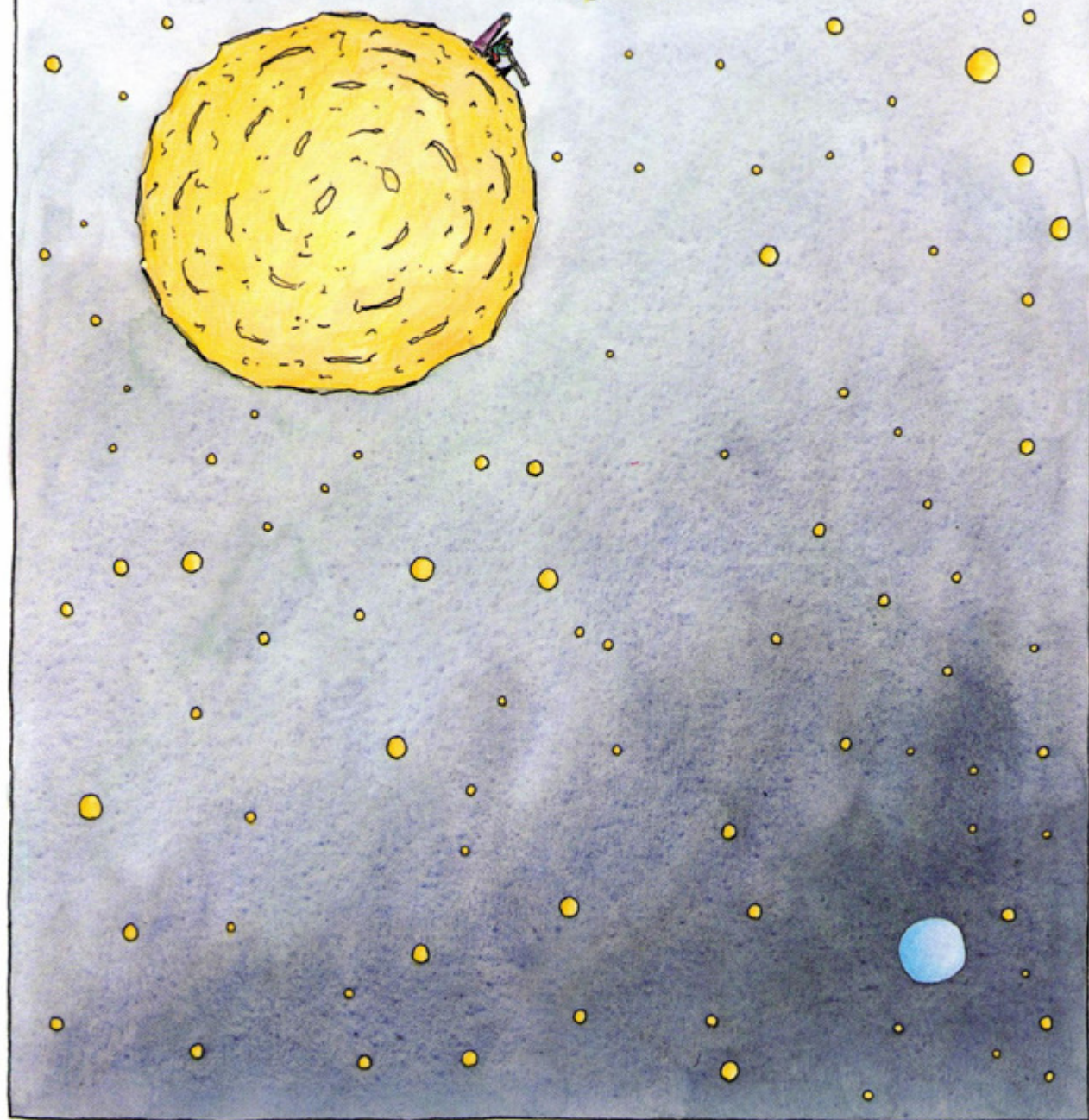


“शायद,” बूढ़े आदमी ने कहा. “पर अब मैं बहुत बूढ़ा हो गया हूँ और थक चुका हूँ.”

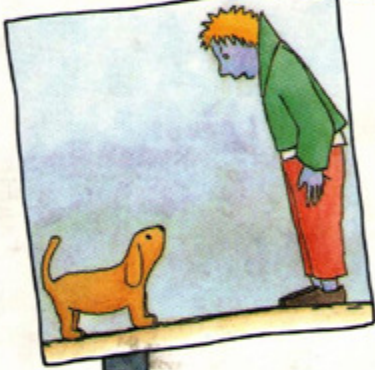
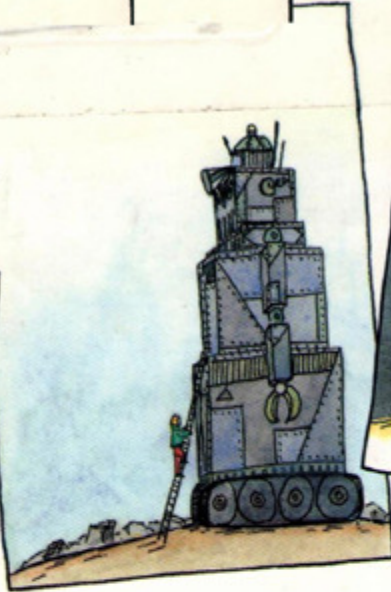
फिर लड़के ने अपनी बन्दूक फेंक दी.
बन्दूक अन्तरिक्ष में गिरी और फिर एक
ग्रह से टकराकर उसके टुकड़े-टुकड़े हो गए.



वो लड़का उस बूढ़े आदमी के साथ
लम्बे अरसे तक रहा. वो हमेशा
दूरबीन से देखता और नीचे के लोगों
को समझने की कोशिश करता.



क्या पता? शायद एक दिन वो लड़का उड़कर वापिस आए
और उसने जो कुछ सीखा है वो अपने लोगों को बताए.



नीला लड़का एक ऐसे ग्रह पर रहता है जहाँ युद्ध छिड़ा है. वो अनाथ और अकेला है और वो हर जीव की संगत को ठुकराता है. पर जैसे-जैसे वो उस वीरान युद्ध के मैदान का मुआईना करता है उसे एक उम्मीद दिखती है – शायद उसे कोई ऐसा इंसान मिले जो बम्ब और बन्दूक की गोलियों से सुरक्षित हो. और उससे वो दोस्ती बना पाए.

नीला लड़का दिल को छूने वाली एक मार्मिक पुस्तक है जिसकी तुलना एकसुपेरी की “द लिटिल प्रिंस” और रेमंड ब्रिग्स की “वेन द विंड ब्लोज़” से की जा सकती है.